दृष्टि The Vision

Mentorship Program
Mukherjee Nagar

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate: Rajnish Patel		Subject/Code:	Essay
UPSC Roll No: 5921353		Date:	07/07/2024
Drishti Id:		E-mail Id:	
Centre: Mukherjee Nagar		Medium:	Hindi

Test Code:

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

(To be filled by Evaluator only)

	Max. Marks	Marks Obtained
	(Essay Topic No.)	(Marks)
Section-A		
Section-B		
Total		
Overall Feedback		

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only

Time Taken	Start Time:	End Time:	Student Signature	
Mode of Examination	Online	Offline		

For Office Use Only

Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback				
Sr. No	मापदण्ड/Parameters	Max. Marks	Section-A (Essay-1)	Section-B (Essay-2)
1.	**परिचय:** विषय और संलग्रता की स्पष्टता। **Introduction:** Clarity of theme and engagement.	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ सरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और प्रतिस्थापन के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substiation	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विंचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

*Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep **closely to the subject** of the essay to **arrange their ideas in orderly fashion** and to **write concisely.** Credit will be given for **effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

*उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के **विषय के निकट** रखते हुए **क्रमबद्ध** करें तथा **संक्षेप** में लिखें। **प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों** के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इतिहास चेतना को न सिर्फ विकसित करता है बल्कि उसे नियंत्रित भी करता है। हमारे साथ घटित हुई कोई घटना, हमसे किया गया कोई व्यवहार, हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक-राजनैतिक अनुभव, हमें मिले संस्कार ये सब मिलकर ~~इस समुच्चय का~~ निर्माण करते हैं ~~जिसे एक वाक्यांश में समेटकर कहा जा सकता है~~ - आपके साथ क्या हुआ का निर्माण करते हैं।

हम अपने इन विविध अनुभवों, घटित घटनाओं, निर्मित संस्कारों, प्राप्त सूचनाओं से किस सीमा तक छुटकारा पा लेते हैं से किस सीमा तक हमारा व्यवहार, हमारा सामर्थ्य, हमारी वैचारिकी नियंत्रित है इसका निर्धारण एक विचारणीय प्रश्न है। यदि हमारे भविष्य की रखी जाने वाली ईंट भूत के नींव पर टिकी है तो हम परतंत्र हैं हम गुलाम हैं अपने इतिहास के, हम वशीभूत हैं अपने संस्कारों के हम पर छाया है स्वयं के साथ घटित अनुभवों की। लेकिन यदि हम किसी तरह इन पूर्वधारणाओं, पूर्व घटनाओं आदि से मुक्ति पाकर एक खुलेपन से सोचते हैं और व्यवहार करते हैं तो यही स्वतंत्रता का सबसे बड़ा परिचायक है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

SPACE FOR ROUGH WORK

आपके साथ हुआ

झांसी की रानी

जापान

भारत

मार्क्स

स्वतंत्रता

इरान — माहसा अमीनी

हिंदू

हीगेल इतिहास

चेतना के अंतर्द्वंद्व

निर्मित होता है

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mus
write on this ma

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों का हो :

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: (125 × 2 = 250)

खंड-A/SECTION-A

Topic:

जो आपके साथ हुआ हो उसके साथ आप क्या कर पाते हैं, वो ही स्वतंत्रता है।

(Freedom is what you do with what has been done to you)

हमारे साथ घटित हुई कोई घटना, हमसे किया गया कोई व्यवहार, हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक-राजनैतिक अनुभव, हमें मिले संस्कार, ये सब मिलकर 'हमारे साथ क्या हुआ' का निर्माण करते हैं। हम अपने इन विविध अनुभवों, घटित घटनाओं, निर्मित संस्कारों और प्राप्त सूचनाओं से किस सीमा तक

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दुत्कारा पा लेते हैं और किस सीमा तक हमारा व्यवहार हमारा सामर्थ्य, हमारी वैचारिकी आदि इनसे नियंत्रित है, इसका निर्धारण एक विचारणीय प्रश्न है। यदि भविष्य की राह में बढ़ता हमारा हर एक कदम केवल भूत से ही बल पाता है तो हम परतंत्र हैं, हम गुलाम हैं अपने इतिहास के, हम वशीभूत हैं अपने संस्कारों के, हम पर छाया है स्वयं के साथ घटित अनुभवों की। इन सब से परे यदि हम उस चिड़िया की तरह हैं जो सिर्फ स्वच्छंद आकाश की ऊंचाइयों को देखती है न कि पीछे छूट चुके पाताल की गहराई को तो हम स्वतंत्र हैं। स्वतंत्रता के इसी आभास को मूर्त रूप दिया है उपन्यासकार जैनेन्द्र ने 'त्यागपत्र' की पात्र 'मृणाल' में, वह कहती है –

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

"देखो चिड़िया कितना ऊपर उड़ जाती है, मैं चिड़िया होना चाहती हूँ।"

हमारे साथ जो हुआ वह हमारा इतिहास है और इतिहास न सिर्फ चेतना के विकास में भूमिका निभाता है बल्कि उसे कुछ सीमा तक नियंत्रित भी करता है। किंतु स्वतंत्रता और स्वाधीनता की परिभाषा ही यही है कि हम कितने विविध नियंत्रणों और बाधाओं से मुक्त हो सकते हैं? महात्मा गांधी का उदाहरण लेते हैं, एक उपनिवेशी राष्ट्र के इस अश्वेत नागरिक ने हर तरह के कठोर अनुभवों को झेला, उन्हें ट्रेन से उतार कर अपमानित भी किया गया। लेकिन गांधी की वह स्वतंत्र चेतना ही थी जो इन घटनाओं और अनुभवों से प्रभावित नहीं हुई। उन्होंने

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
drishti
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

न सिर्फ स्वयं के भीतर स्वतंत्र चिंतन एवं व्यवहार को सजोए रखा बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के सबसे बड़े नायक बनकर उभरे।

स्वतंत्रता की कुछ ऐसी ही परिभाषा पश्चिम में अस्तित्ववादियों ने भी दी जिनमें सार्त्र, कीर्केगार्द आदि प्रमुख हैं। इन दार्शनिकों ने भी मनुष्य को नेपथ्य के हर प्रभाव से मुक्त होकर सोंचने की प्रेरणा दी। हमें समाज से बहुत सी सीख मिलती है, स्कूलों में हमें नैतिक शिक्षाएँ दी जाती हैं, माता-पिता एवं परिवार भी हमें कुछ मूल्यों से बांधने की कोशिश करते हैं। इन सब को भी 'हमारे साथ क्या हुआ' की श्रेणी में रखा जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अस्तित्ववादियों की मानें तो प्रामाणिक और स्वतंत्र वही है जो इन सब नियंत्रणों से मुक्त होकर सोच सकता है और व्यवहार कर सकता है। इनकी नजर में मीरा स्वतंत्र हैं क्योंकि तत्समय की हर मर्यादा को लांघकर अपने व्यक्तित्व को सहजता से स्वीकार करती हैं

"मैं तो अपने नारायण की आपहिं भई दासी रे
लोग कहें मीरा भई बावरी न्यात कहै कुलनासी रे।"

मान लीजिए हमारे साथ जो हुआ उससे हमारे मन-मस्तिष्क में भय जैसे भाव भर गए और इन्हीं भावों के पराधीन होकर यदि हम आगे कुछ साहसी कृत्य करने की हिम्मत ही न जुटा सकें तो हम परतंत्र हैं। स्वतंत्र तो रानी लक्ष्मीबाई

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

थीं जिन्होंने हर भय को दरकिनार कर घोषणा की कि - "मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी।" यही स्वातंत्र्य चेतना वर्तमान में आंग-सान-सू की में देखी जा सकती है, उनका प्रसिद्ध कथन है- "एकमात्र वास्तविक जेल भय है और एकमात्र वास्तविक स्वतंत्रता भय से मुक्ति है।"

अब कुछ समाजों और राष्ट्रों की चर्चा करते हैं जिन्होंने स्वयं के कठोर या हीन अनुभवों के सामने समर्पण नहीं किया बल्कि नए सिरे से स्वयं को स्थापित किया, पुराने अनुभवों से सीख हासिल की और स्वयं के स्वतंत्र राष्ट्र होने का परिचय दिया। जापान का उदाहरण लेते हैं; द्वितीय विश्वयुद्ध

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

में परमाणु हमले की कठोर और दर्दनाक घटना ने पूरे राष्ट्र को संकट के सबसे बुरे दौर में धकेल दिया। जापान ने इन परिस्थितियों के सामने न तो समर्पण किया न ही परमाणु विध्वंस की रेस का हिस्सा बने। विकास और शांति के स्वतंत्र पथ के अनुयायी होकर जापान ने एक मिशाल पेश की।

अभी तक हमने स्वतंत्रता के विविध उदाहरण देखे अब उन व्यक्तियों और समाजों की चर्चा करते हैं जो भूत के परिवेश से बाहर आ ही नहीं सके। उनका व्यवहार प्रतिक्रियावादी रहा जिसने उन्हें स्वतंत्र, सकारात्मक और मौलिक चिंतन एवं व्यवहार से रोक कर रखा। हिटलर की ही बात करें तो पूर्व में जो कुछ उसके साथ हुआ

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh

Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

और उसकी प्रतिक्रिया में उसने जो कुछ किया उसे स्वतंत्र चिंतन तो नहीं ही कहा जा सकता क्योंकि उसके कृत्यों से समस्त विश्व की स्वतंत्रता संकट में पड़ गयी थी।

इसी तरह कोई समाज यदि पूर्व के अनुभवों से मुक्त होकर नहीं आगे बढ़ सकता तो उसे भी इतिहास का गुलाम ही कहा जाएगा। यदि कोई यहूदी आज की जर्मनी या जर्मन लोगों से नफरत करे, कोई हिंदू मुसलमानों से सिर्फ इसलिए द्वेष रखे कि कभी इनके पूर्वज आक्रांता के रूप में भारत आए थे तो यह परतंत्रता का ही एक प्रतीक है।

अभी तक हम यह स्थापित करते आए कि पूर्व के अनुभवों से मुक्त

Copyright – Drishti The Vision Foundation

होकर, उनसे सीखकर या फिर उनमें परिवर्तन कर जो कुछ हम करते हैं वही स्वतंत्रता है। विदित है कि इस बात पर सभी लोगों की सहमति नहीं दिखाई देती है। विश्व में सबसे प्रभावशाली विचारकों में से एक मार्क्स का मानना है कि चेतना की स्वतंत्र सत्ता नहीं होती वह ऐतिहासिक परिस्थितियों पर टिकी होती है। इसीलिए साम्यवादी चिंतन धारा अतीत के अनुभवों की प्रतिक्रियावादी अभिव्यक्ति की प्रेरणा देता है यही प्रतिक्रियावाद हिंसक क्रांति, वामपंथी उग्रवाद आदि विविध रूपों में व्यक्त होता है।

वस्तुतः आज की परिस्थितियों में देखें तो पूर्व में जो हुआ उससे प्रतिक्रियावादी हो जाने को स्वतंत्र व्यवहार नहीं कहा जा सकता। पूर्व

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के अनुभवों से या तो मुक्त हुआ जा सकता है या उससे सीख ली जा सकती है अथवा उसकी प्रतिक्रिया में सकारात्मक व्यवहार किया जा सकता है। यही स्वतंत्रता है क्योंकि यहाँ हम स्वाधीन होकर अपने अनुसार अपना व्यवहार नियंत्रित कर स्वतंत्रता की उस परिभाषा को भी चरितार्थ कर रहे हैं जो कहती है कि —

" स्वतंत्रता कहीं और नहीं बल्कि उस सत्ता में निहित होती है जो इसका उपभोग करता है।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Section B

एक मानचित्र क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं करता
(The map is not the territory)

"कोस कोस पर बदले पानी,
चार कोस पर बदले वाणी।"

क्षेत्र के रूपों की विविधता, उसके चरित्र की परिवर्तनशीलता और मानचित्र के साथ उसकी असहजता को व्यक्त करती यह कहावत हम बड़े-बुजुर्गों से सुनते आए हैं। प्रथमदृष्टतया या स्थूल चिंतन से हमें ऐसा लग सकता है कि हमारे सामने प्रदर्शित किया गया हर 'मानचित्र' किसी न किसी 'क्षेत्र' को प्रतिबिम्बित कर रहा होता है लेकिन चाहे ऊपर लिखी इस कहावत को आधार बनाएं या फिर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अपनी चिंतनधारा को ही थोड़ा सूक्ष्म करें तो हम पाते हैं कि मानचित्र अनिवार्यत: किसी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। इस तथ्य को आगे हम विविध विश्लेषणों एवं उदाहरणों से पुष्ट कर सकते हैं।

'मानचित्र' और 'क्षेत्र' के संबंधों पर बात करने से पहले थोड़ी चर्चा 'मानचित्र' और 'क्षेत्र' की संकल्पना पर कर लेते हैं। 'क्षेत्र' से आशय प्रायः भूभाग से ही लगाते हैं लेकिन इसके आयाम कई हो सकते हैं, उदाहरणार्थ- राजनीतिक क्षेत्र, सांस्कृतिक क्षेत्र, भौगोलिक क्षेत्र, विवादित क्षेत्र आदि। वहीं मानचित्र किसी बड़े भू-भाग को एक छोटे से पन्ने से लेकर ग्लोब तक में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

समेटने वाला एक चित्र होता है, इसमें पैमाने की बड़ी अहमियत होती है। मानचित्र के भी विविध रूप हो सकते हैं हालांकि प्राय: हम दो ही प्रकार के मानचित्रों का अध्ययन करते हैं – राजनीतिक मानचित्र और भौतिक मानचित्र। मानचित्र के बारे में एक और बात जो हमें समझ लेना चाहिए वह यह है कि - मानचित्र एक गाँव का भी हो सकता है, प्रदेश एवं देश का भी तथा संपूर्ण विश्व का भी।

अब आते हैं मूल प्रश्न पर जो यह है कि क्या मानचित्र क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है? मान लीजिए किसी मानचित्र में एक प्रदेश का चित्रण हुआ है और वह प्रदेश है- उत्तर प्रदेश। कहने को तो यह उत्तर प्रदेश के समस्त क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहा होगा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लेकिन ध्यान से देखें तो यह मानचित्र विविध सांस्कृतिक क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति का सटीक चित्रण नहीं कर रहा है।

- उत्तर प्रदेश का जो पूर्वांचल का क्षेत्र है और जो पश्चिम बिहार का क्षेत्र है इन दोनों को मिलाकर एक सांस्कृतिक क्षेत्र का निर्माण होता है जिसका प्रतिनिधित्व प्रायः राजनीतिक मानचित्र में नहीं हो पाता है।

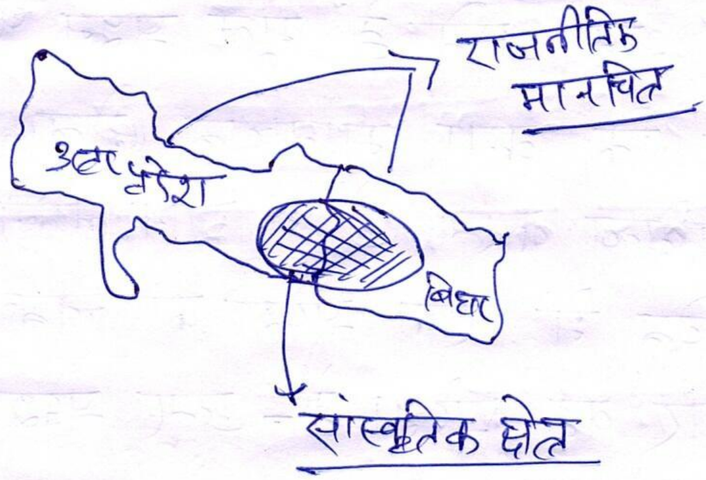

एक और परिप्रेक्ष्य लेते हैं पूरे दक्षिण एशिया के मानचित्र का

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Topic: विश्लेषण करते हैं। अगर हम राजनीतिक मानचित्र लें तो भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल और भूटान आदि अलग-अलग देश नजर आते हैं किंतु वास्तविकता तो यही है कि संपूर्ण दक्षिण एशिया एक विशाल भौगोलिक इकाई है जिसका उत्तरी भाग ऊँचे हिमालयी पर्वतों दक्षिणी भाग हिंद महासागर से निर्धारित होती हैं, यहाँ की जलवायु को मानसूनी वर्षा प्रभावित करती है, भोजन से लेकर भाषा तक में एक साम्य दिखता है। यहाँ भी मानचित्र क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता नहीं दिख रहा है।

अब उन मानचित्रों की भी चर्चा कर लेते हैं जो राजनीतिक मानचित्र होते हुए भी वास्तविक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

राजनीतिक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। उदाहरण के लिए पाकिस्तान द्वारा जारी उनका राष्ट्रीय मानचित्र देखें तो संपूर्ण जम्मू-कश्मीर को उन्होंने समाहित कर लिया है जबकि वास्तविक स्थिति कुछ और ही है।

अभी तक हमने राजनीतिक मानचित्रों को ही आधार बनाया है। यदि भौगोलिक अथवा भौतिक मानचित्र को देखें तो उसमें ना तो सांस्कृतिक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व हो सकता है और न ही राजनीतिक क्षेत्र का।

मानचित्र के संदर्भ में यह बात भी लागू होती है कि जितनी तेजी से ये परिवर्तित होते हैं उतनी तेजी से क्षेत्रीय यथार्थ परिवर्तित नहीं होता।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

है। सामाजिक-आर्थिक और सामरिक कारकों से संचालित होकर कोई देश या समाज ~~[scribbled]~~ मानचित्र में ऐतिहासिक परिवर्तन कर सकता है किंतु क्षेत्रीय यथार्थ में यह परिवर्तन इतना आसान नहीं है। चीन का उदाहरण लेते हैं आज चीन के मानचित्र में तिब्बत का कोई अस्तित्व नजर नहीं आता लेकिन यहाँ की विशिष्ट संस्कृति, भाषा, ~~जीवनशै~~ जीवनशैली और स्वायत्ता हेतु संघर्ष तिब्बत के क्षेत्रीय यथार्थ की पुष्टि करते हैं।

अब उन उदाहरणों पर भी दृष्टिपात करते हैं जहाँ मानचित्र एक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते नजर आते हैं। यूरोप का मानचित्र देखें तो

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

हर देश का मानचित्र प्रायः एक भाषा-भाषी क्षेत्र का भी प्रतिनिधित्व कर रहा होता है। वैसे भी मानचित्र हमेशा सीमेटिक होते हैं और कम से कम एक ऐसे क्षेत्र का तो प्रतिनिधित्व करते ही हैं।

मानचित्र और क्षेत्र के संबंधों में एक जरूरी बात यह है कि कई बार विविध क्षेत्रीय यथार्थ मानचित्र को भी प्रभावित करते हैं। उदाहरण के रूप में — नदियों, पहाड़ों, समुद्रों आदि द्वारा राजनीतिक-सांस्कृतिक सीमाओं का निर्माण।

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि एक मानचित्र क्षेत्र के विविध आयाम

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

को एक साथ धारित नहीं कर पाता है। यदि वह राजनीतिक क्षेत्र को बिंबित करता है तो सांस्कृतिक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व बाकी रह जाता है यदि वह भौगोलिक क्षेत्र को चित्रित करता है तो बाकी क्षेत्रीय यथार्थ छूट जाते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

3

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हम सब बड़े बुजुर्गों से क्षेत्र के रूप एवं चरित्र के इस गतिशील परिवर्तन को व्याख्यायित करती कहावत को लंबे समय से सुनते आ रहे हैं।

क्षेत्र के रूपों की विविधता, उसके चरित्र की परिवर्तनशीलता और मानचित्र के साथ उसकी असहजता को व्यक्त करती यह कहावत हम अपने बड़े बुजुर्गों से सुनते आए हैं। सामान्य/स्थूल धारणा यही संकेत करती है कि जब हमारे सामने कोई मानचित्र प्रदर्शित किया जाता है तो वह किसी क्षेत्र को प्रतिबिम्बित कर रहा होता है लेकिन चाहे ऊपर लिखी इस कहावत को आधार बनाले या कि अपनी चिंतन धारा को थोड़ा सूक्ष्म करें तो हम पाते हैं कि मानचित्र अनिवार्यतः किसी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। इस तथ्य को हम आगे विविध विश्लेषणों और उदाहरणों के द्वारा पुष्ट कर सकते हैं।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

राजनीतिक मैप
भौतिक मैप

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

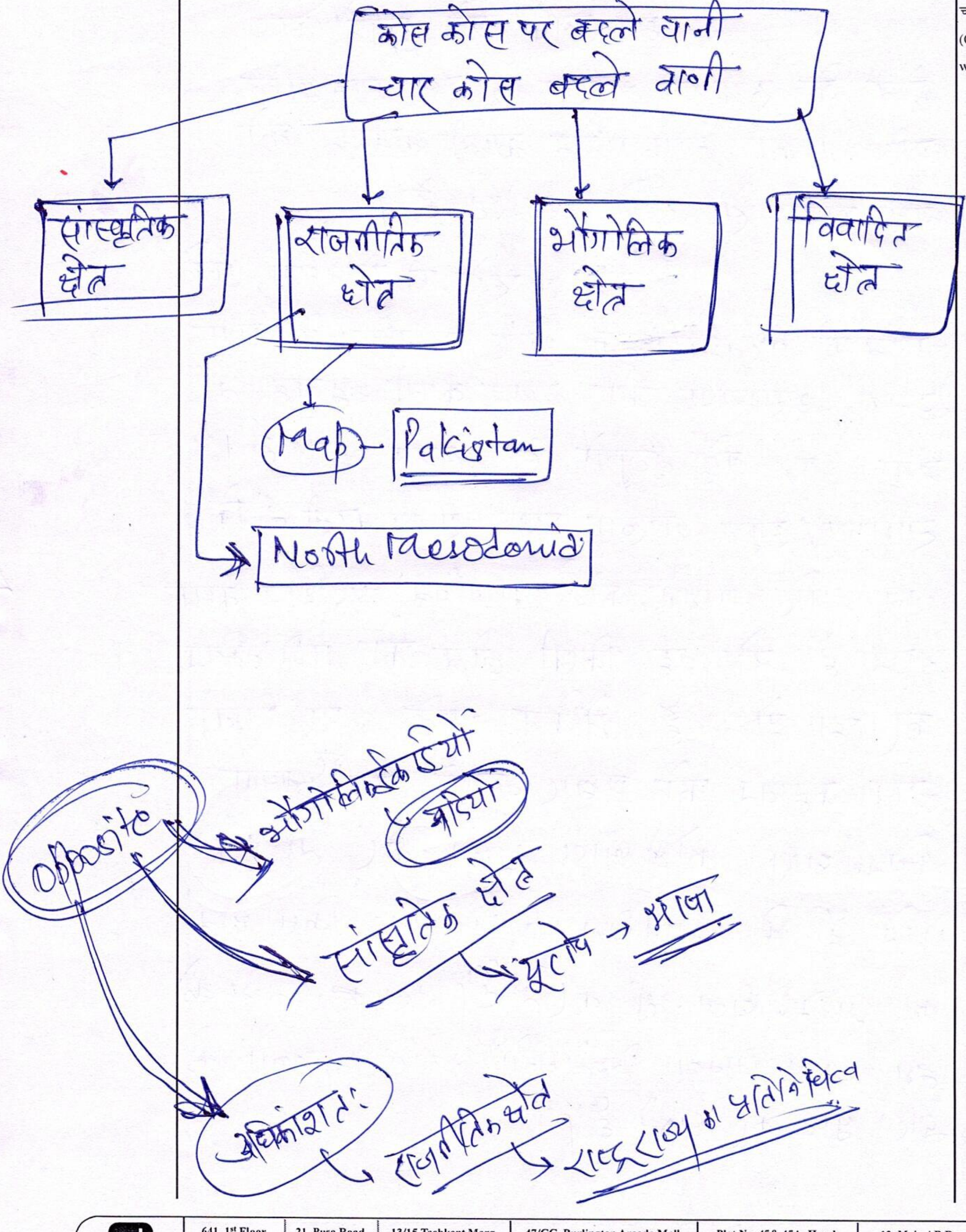

Copyright – Drishti The Vision Foundation